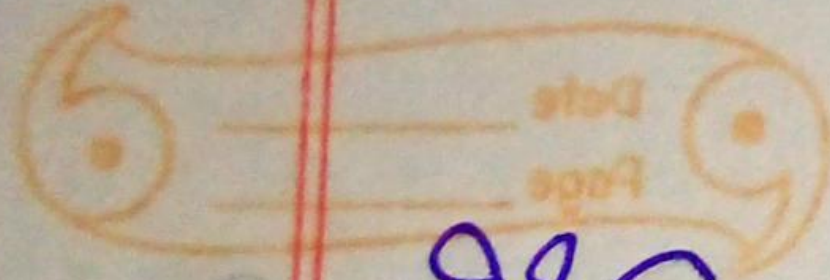


हंस और कछुआ पाठ के माध्यम से
आप को क्या शिक्षा मिलती है? पाठ का
सारांश अपने शर्षों में 80-100 शर्षों
शर्षों में लिखिए।

Ans- कछुआ सक्की बात सुनकर बचन
हो रहा था। उसे बच्चों की बातें
सुनकर ~~गुस्सा~~ गुस्सा भी आ रहा था।
उससे बीना बिना रहा नहीं गया। वह
अपना संयम ~~रख~~ रखा और
~~गुस्से~~ गुस्से में आकर बीना- "तुम
क्या खाल पकड़ो मे मझे!" इतना कहना था
कि वह जमीन पर ~~गिर~~ गिर पड़ा
और मर गया। संकट संकट के समय में



दीर्घ रक्षित ।